



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 617]

मई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 21, 1992/भाद्र 30, 1914

No. 617] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 21, 1992/BHADRA 30, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी वाली हूँ जिससे कि वह अमरा संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विसंगतालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रस्ताव कर वोर्ड)

मई दिल्ली 21 सितम्बर, 1992

प्रधिसूचना

(आयकर)

का. आ. 697(अ) —केन्द्रीय प्रस्तावकर वोर्ड, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 के साथ पठित आया 80 अ की उपधारा (5) के खण्ड (VI) धारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, प्रत्यक्षः—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (सरकारी संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की सारी वर्तमान को प्रदूष देंगे।

2. आयकर नियम, 1962 के भाग 2 के उपभाग (अ) में नियम, 11 के पक्षात् निम्नलिखित अस्त स्थापित किया जाएगा, प्रत्यक्षः—

“धारा 80 अ के प्रधीन किसी संस्था या नियम के प्रत्युमोदत के लिए प्रपेक्षार्थ

11 कक. (1) धारा 80 अ की उपधारा (5) के खण्ड VI के प्रधीन किसी संस्था या नियम के प्रत्युमोदत के लिए प्रावेदन प्राप्त संख्या 10 अ में होगा और तीन प्रतियों में होगा।

(2) प्रावेदन के साथ निम्नलिखित घटनाएँ होंगे, प्रथम्

(i) धारा 12 के प्रधीन प्रशान किए गए राजस्वीतरण की प्रति अवश्या धारा 10(23) या धारा 10 (23 अ) के प्रधीन जारी की गई प्रधिसूचना की प्रति;

(ii) संस्था या नियम के कियाकलापों पर, उसके प्रारम्भ से अवश्या अन्तिम तीन वर्षों के बीचारन जो भी प्रवधि कम हो, टिप्पण ;

(iii) नियम या संस्था के लेखाओं की, उसके प्रारम्भ से अवश्या अन्तिम तीन वर्ष के दोरान, जो भी प्रवधि कम हो, प्रतियो ।

(3) आमुक्त, संस्था या निधि से ऐसे और दस्तावेज़ या आधिकारी मांग रखेगा, अवश्य ऐसी जांच करवा सकेगा जो वह ऐसी संस्था या निधि के कियाकरणार्थी की असतीयत के बारे में अपना समाधान करने के बारे में आवश्यक समझे।

(4) जहाँ आमुक्त का समाधान हो जाता है कि धारा 807 की उपचारा (5) के खंड (i) से (v) तक में अधिकारित सभी गतें, संस्था या निधि द्वारा पूरी कर दी गई हैं वहाँ वह ऐसा समाजात्मक रूप में अभिनियन्त्रित करेगा और संस्था या निधि को उप निर्वाचित बर्द या बर्दों को नियन्त्रित करें द्वारा, जिसके/जिनके लिए आमुक्त विविधात्मक है, अनुमोदन देंगे।

(5) जहाँ आमुक्त का यह समाधान हो जाता है कि धारा 807 की उपचारा (5) के खंड (i) से (v) तक में अधिकारित एक या अधिक गतें पूरी नहीं की गई हैं वहाँ वह अनुमोदन के लिए आवेदन को, नियन्त्रित रूप से नामंजूर करने के लिए कारण अभिनियन्त्रित करने के पश्चात्, नामंजूर कर देंगे।

परन्तु यह कि किसी आवेदन की नामंजूरी का कोई आवेदन संस्था या निधि को सुनवाई का अवसर दिए गए बिना पारित नहीं किया जाएगा।

(6) यह समय की परिसीमा, जिसके भीतर आमुक्त या सो अनुमोदन देते हुए अवश्य आवेदन नामंजूर करते हुए कोई आवेदन पारित करेगा, उस तारीख से विस्तृत ऐसा आवेदन किया गया था, उह मात्र से अधिक नहीं होगा :

परन्तु यह कि उह मात्र की अवधि की संगणना करने में उपनियम (3) के अधीन आमुक्त के नियन्त्रणों का अनुपालन करने में आवेदक द्वारा लिए गए किसी समय को अपनायित किया जाएगा।"

3. आयकर नियम, 1962 के परिशिष्ट 2 में प्रलूप संख्या 10व के परिवर्तन नियन्त्रित आवास स्थापित किया जाएगा, अवृत्ति :—

"प्रकल्प सं. 10 छ

(नियम 11 कक वेत्तिए)

आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 807(5)(vi) के अधीन संस्था या निधि का अनुमोदन देने या उसको बनाए रखने के लिए आवेदन

1. संस्था/निधि का पूरा नाम
(स्पष्ट घटकों में)

2. संस्था/निधि के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय
का पता

3. विधिक प्राप्तिशक्ति
(कृपया विनियित करें कि संस्था/निधि—

(i) जोक पूर्त स्थान के रूप में गठित है;

(ii) दोसाइटी रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1860 (1860 का 21) के अधीन या भारत के किसी भाग में प्रत्युत उस अधिनियम की तरत्थानी किसी विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत है;

(iii) कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 25 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है;

(iv) विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय है,

(v) सरकार द्वारा या विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय द्वारा मान्यताप्राप्त अपश्या विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्था या निधि है।

(vi) सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा पूर्णतः या भागत वित्तपोषित कोई संस्था है।

(vii) खेल या खेलकूद का नियंत्रण करने, पर्यावरण करने, विनियमन करने या प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित कोई संस्था है और वह इस प्रयोजन के लिए धारा 10(23) के अधीन अनुमोदित है, अपश्या

(viii) संघ के सशस्त्र बलों द्वारा ऐसे बलों के भूतपूर्व या वर्तमान सदस्यों के अपश्या उनके आधिकारियों के कल्याण के लिए स्थापित कोई ऐमेंट संबंधी निधि है अवश्य गैर लोक निधि।

4. संस्था / निधि के उद्देश्य और वह पूरोलीय खेल, जिसके अवर उसके क्रियाकलाप किए जाते हैं।

5. संस्था या निधि के व्यासियों/धराविकारियों के नाम और पते।

6. (i) यदि आयकर अधिनियम को धारा 12क के अधीन रजिस्ट्रीकृत है तो रजिस्ट्रीकृत संस्था और रजिस्ट्रीकृत की तारीख, —

(ii) यदि आयकर अधिनियम को धारा 10 (23) का धारा 10 (23) के अधीन अधिसूचित है तो उसके घोरे।

(iii) यदि (i) और (ii) के उत्तर मकारात्मक हैं तो क्या उसके लिए कोई आवेदन फाइल किया गया है? यदि हाँ तो उसकी एक प्रति संलग्न करें।

7. (क) अन्तिम अनुमोदन की, यदि कोई हो, अवधि 1 सूचया अनुमोदन की प्रति संलग्न करें।

(ख) यदि अन्तिम अनुमोदन के पश्चात् से उद्देश्यों और लक्ष्यों में तथा नियन्त्रणों और विनियमों में कोई परिवर्तन किया गया है तो उसके घोरे।

8. निर्धारण विधिविद्या।

(न) वह लाई/सौण्ड जहाँ निर्वाचित किया गया है और स्थानीय लेखा अधिकारी जो काई भार संलग्न।

(ज) क्या आय धारा 10(22), 10(2क) 10 (23) 10 (23क), 10 (23ग) या 11 के अधीन छूट प्राप्त है?

(ग) क्या कर का कोई बकाया है यदि हाँ, तो कारण दीजिए।

9. उक्त मध्य (4) में वर्णित प्रयोजनों के लिए संचित रकम।

10. (i) विनिधान को प्रहृति मूल्य और उससे आय की वर्णित करते हुए, उन रोनियों के बारे में जिनमें निधियां विनिहित की गई हैं या जमा कर गई हैं,

(ii) क्या कोई निधि धारा 11(5) में विनिदित रोति से विनिहित नहीं की गई है?

11. (i) क्या मंस्या / निधि कोई कारबार कर रही है? यदि हाँ तो उसके बारे में दीजिए।

(ii) क्या कानूनांक उसके उद्देश्यों की प्रति से प्रासंगिक है?

12. (रोकड़ से बिन) अभिदायों को प्रहृति, मात्रा और मूल्य के बारे में वह रोति जिसने ऐसे अभिदायों का उत्पादन किया गया है?

13. धारा 13 की उधारा (3) में विनिदित रूप में किसी हिन्दू धर्मानुष संस्थान द्वारा या उसको और सेक्युरिटी एंड एसोसिएशन (सेयर्स), प्रतिमंडि या अन्य समसित के बारे।

14. क्या संधार की आय के किसी भाग या किसी समसि का ऐसी रोति से उत्पादन किया गया था या उत्पादन किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से धारा 13 की उधारा (3) में विनिदित रूप में किसी हिन्दू धर्मानुष की कोई फायदा, सुविधा या उपलब्धि हुई (चाहे उसे घन में संपर्याति किया गया हो या नहीं) यदि हाँ तो उसके बारे।

में प्रमाणित करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी भेजे गये रूप से है

मैं अब देता हूँ कि इसके परन्तु संस्था/निधि को ग्राहित करने वाले निवन्धनों या शर्तों में हुए किसी परिवर्तन का तात्पार संमूलित करता हूँ।

स्थान:—

हस्ताक्षर:—

तारीख:—

प्राप्तिरण:—

पता:—

टिप्पण:—

आवेदन प्रक्रम (तोन प्रतियों में) संस्था या निधि पर अधिकारित रूप से आवेदन प्राप्तकर्ता को निम्नलिखित वक्तव्यों सहित भेजा जाता जाता है:

(i) धारा 12क) के अधीन प्रदत्त फिर भए रजिस्ट्रेशन का प्रति अवधा धारा 10(23) या धारा 10 (23ग) के अधीन जारी की गई अधिसूचना की प्रति;

(ii) संस्था या निधि के किसीलालों पर उसके प्रारम्भ से अवधा अन्तिम तीन दर्जों के शीरण, जो भी अवधि कम हो, टिप्पण;

(iii) संस्था या निधि के वेष्याओं को उसके प्रारम्भ से अवधा अन्तिम तीन दर्जों के दौरान जो भी अवधि कम हो, प्रतिवर्ष।

[म. 9099 फा.सा. 142/16/92/दो. पं. एल]

के. एम. मुख्यान
निदेशिक (दो पो एल)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 21st September, 1992

NOTIFICATION

(Income-Tax)

S.O. 697(E).—In exercise of the powers conferred by clause (vi) of sub-section (5) of section 80G read with section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Seventeenth Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Part II of the Income-tax Rules, 1962, in sub-part E, after rule 11A, the following shall be inserted, namely:—

“Requirements for approval of an institution or fund under section 80G

11AA. (1) The application for approval of any institution or fund under clause (vi) of sub-section (5) of section 80G shall be in Form No. 10G and shall be made in triplicate.

(2) The application shall be accompanied by the following documents, namely:—

(i) Copy of registration granted under section 12A or copy of notification issued under section 10(23) or 10(23C);

(ii) Notes on activities of institution or fund since its inception or during the last three years, whichever is less;

(iii) Copies of accounts of the institution or fund since its inception or during the last three years, whichever is less.

(3) The Commissioner may call for such further documents or information from the institution or fund or cause such inquiries to be made as he may deem necessary in order to satisfy himself about the genuineness of the activities of such institution or fund.

(4) Where the Commissioner is satisfied that all the conditions laid down in clauses (i) to (v) of sub-section (5) of section 80G are fulfilled by the

institution or fund, he shall record such satisfaction in writing and grant approval to the institution or fund specifying the assessment year or years for which the approval is valid.

(5) Where the Commissioner is satisfied that one or more of the conditions laid down in clauses (i) to (v) of sub-section (5) of section 80G are not fulfilled, he shall reject the application for approval, after recording the reasons for such rejection in writing:

Provided that no order of rejection of an application shall be passed without giving the institution or fund an opportunity of being heard.

(6) The time limit, within which the Commissioner shall pass an order either granting the approval or rejecting the application shall not exceed six months from the date on which such application was made:

Provided that in computing the period of six months, any time taken by the applicant in not complying with the directions of the Commissioner under sub-rule (3) shall be excluded.

3. In Appendix II of the Income-tax Rules, 1962, after Form No. 10F, the following form shall be inserted, namely:—

“FORM No. 10G

(See Rule 11AA)

Application for grant of approval or continuance thereof to institution or fund under section 80G(5)

(vi) of the Income-tax Act, 1961

1. Name of the institution/fund in full:

(in block letters)

2. Address of the registered office of the institution/fund:

3. Legal status:

(Please specify whether the institution/fund is—

- (i) constituted as public charitable trust.
- (ii) registered under the Societies Registration Act, 1860, (21 of 1860) or under any law corresponding to that Act in force in any part of India.
- (iii) registered under section 25 of the Companies Act, 1956, (1 of 1956).

(iv) University established by law.

(v) any other educational institution recognised by the Government or by any University established by law or affiliated to any University established by law.

(vi) an institution wholly or partly financed by the Government or a local authority.

(vii) an institution established with the object of controlling, supervising, regulating or controlling games or sports and is approved for this purpose under section 10(23) or

(viii) a Regimental Fund or Non-Public Fund established by the armed forces of the Union for the welfare of past or present members of such forces or their dependents)

4. Objects of the institution/fund and geographical area over which its activities are undertaken:

5. Names and addresses of trustees/office bearers of the institution or fund.

6. (i) If registered under section 12A(a) of the Income-tax Act, the registration number and date of registration.

(ii) If notified u/s 10(23) or u/s 10(23C) of the Income-tax Act, the details thereof.

(iii) If responses to (i) & (ii) are negative, whether any application for the same has been filed? If yes, enclose a copy of the same.

7. (a) Period of last approval, if any. Please enclose a copy of the approval.

(b) If any change in the aims and objects and the rules and regulations have been made since the last approval, the details thereof.

8. Assessment particulars:—

(a) Ward/Circle where assessed and permanent account number/GIR number

(b) Is the income exempt under sections 10(22), 10(22A), 10(23), 10(23AA), 10(23C) or 11?

(c) Whether any arrears of taxes are outstanding? If so, give reasons.

9. Amount accumulated for the purposes mentioned in item (4) above.

10. (i) Details of modes in which the funds are invested or deposited, showing the nature, value and income from the investment;

(ii) Whether any funds have not been invested in the modes specified in section 11(5)?

11. (i) Is the institution/fund carrying on any business? If yes, give details.

(ii) Is the business incidental to the attainment of its objects?

12. Details of nature, quantity and value of contributions (other than cash) and the manner in which such contributions have been utilised.

13. Details of shares, security or other property purchased by or on behalf of the trust from any interested person as specified in sub-section (3) of section 13.

14. Whether any part of the income or any property of the association was used or applied, in a manner which results directly or indirectly in conferring any benefit, amenity or perquisite (whether converted into money or not), on any interested person as specified in sub-section (3) of section 13? If so, details thereof.

I certify that information furnished above is true to the best of my knowledge and belief.

I undertake to communicate forthwith any alteration in the terms or in the rules governing the institution/fund made at any time hereafter.

Place Signature

Date Designation

Address.....

Notes :

The application form (in triplicate) should be sent to the Commissioner of Income-tax having jurisdiction over the institution or fund along with the following documents :

- (i) Copy of registration granted under section 12A or copy of notification issued under section 10(23) or section 10(23C).
- (ii) Notes on activities of institution or fund since its inception or during the last three years, whichever is less;
- (iii) Copies of accounts of the institution or fund since its inception or during the last three years, whichever is less"

[No. 9099 F. No. 142/16/92(TPL)]

K. M. SULTAN, Director (TPL)

Note : The principal rule viz. Income-tax Rules, 1962, as amended from time to time was made vide S.O. 969 dated 26-3-1962.

